शोध-प्रारूप

खोरठा भाषा साहित्य के विकास में लुआठी पत्रिका का योगदान: एक अध्ययन

पीएच. डी उपाधि हेतु प्रस्तावित शोध- प्रारुप

स्नातकोत्तर खोरठा विभाग

संकाय: जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा

राँची विश्वविद्यालय, राँची

वर्ष-2025

शोध निर्देशक

डॉ0 कुमारी शशि
विभागाध्यक्ष
स्नातकोत्तर खोरठा विभाग
राँची विश्वविद्यालय, राँची।
मो. नं.: 8789115824
E-Mail : kumarishashi1602@gmail.com

शोधकर्ता

चंदन कुमार
केवल पीएच.डी में प्रवेश योग्य
स्नातकोत्तर खोरठा विभाग
राँची विश्वविद्यालय, राँची।
मो. नं.: 8825155985
E-Mail : chandan07scc@gmail.com

शोध-प्रारूप

खोरठा भाषा साहित्य के विकास में लुआठी पत्रिका का योगदान: एक अध्ययन

भूमिका:-

झारखंड अनेक भाषाओं का राज्य है। यहां नौ भाषा रूपी फूलों का बागान है, जिसे हम तीन भाषा परिवार के अंतर्गत में पाते हैं, जो आस्ट्रिक, द्रविड़ तथा आर्य है जिनमें संथाली, मुंडारी, हो, खड़िया आस्ट्रिक भाषा परिवार है। द्रविड़ के अंतर्गत में कुड़ुख, माल्टो तथा आर्य भाषा परिवार- खोरठा, कुरमाली, नागपुरी, पंचपरगनिया है। ये सभी झारखंड की द्वितीय राजभाषा के रूप में दर्जा मिला है। जिसका पठन पाठन राज्य के सभी विद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों में अध्ययन अध्यापन का कार्य निरंतर हो रही है।

खोरठा झारखंड की सबसे बड़ी क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा है। यह झारखंड के 24 **जिलों में से** 16 **जिलों की दैनिक जनसंपर्क भाषा अर्थात् मातृभाषा है। आज खोरठा राज्य ही नहीं बल्कि देश-विदेशों में भी विशिष्ट पहचान मिल रही है। इतना ही नहीं आधुनिकता कारण इसकी धारा प्रवाह और भी बढ़ती ही चली जा रही है। हम कह सकते हैं आदिकालीन की उपेक्षा में आधुनिकीकरण पर विशेष आयामों का फल है। इसका लोक साहित्य काफी प्रचुर मात्रा में मिलती है। जिसका संरक्षण एवं संवर्धन होना अति आवश्यक है।**

आज के दौर में नये-नये लेखक कवि, साहित्यकार उभरते दिख रहे हैं। जिनकी कलमें साहित्य की हरेक विधाओं को चित्रांकित करते हुए नदी की पानी की तरह प्रवाहित होती रही है। जिसका एक मात्र श्रेय आधुनिकीकरण पर जाता है।

किसी भी भाषा के विकास में जितना एक पुस्तक की योगदान होती है उतना उस भाषा से संबंधित पत्रिका का होती है। पत्रिका समय समय पर प्रकाशन होती हे जो निरंतर रूप से प्रकाशित होती है, इसमें विशेषकर गीत, कविता, लेख, एकांकी, संस्मरण, डायरी, यात्रा वृत्तांत, कहानियां, तस्वीरें, सम सामायिक विषय एवं विज्ञापन होते हैं। पत्रिकाओं का प्रकाशन एक दिन से लेकर साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक, छमाही, वार्षिक, और अनिश्चित समय तक भी होता है। वैसे पत्रिकाओं का मूल उद्देश्य दो या दो से अधिक लोगों के बीच अपने विचारों, सूचनाओं, अनुभवों, और भावनाओं को पहुंचाना होता है। इस प्रकार हम कह सकते

है कि किसी भी भाषा के विकास में पत्रिका का बहुत बड़ा योगदान रहता है। इस परंपरा का श्रीगणेश - 'मातृभाषा' (मासिक, खोरठा और हिन्दी) पत्रिका श्रीनिवास पानुरी जी के संपादन में 1957 ई. में धनबाद से प्रकाशित हुई। इसके बाद फिर श्रीनिवास पानुरी जी के संपादन में 'खोरठा' नाम की (पखवारी पत्र) पत्रिका बरवाअड्डा से प्रकाशित होने लगी। 'तितकी' नाम की पत्रिका तीन जगह से प्रकाशित होने लगी जिसमें प्रथम श्री विश्वनाथ दसौन्धी 'राज' जी के संपादन में अगस्त 1977 ई. में कतरास धनबाद से प्रकाशित दूसरी 1983 में जिनका संपादन डॉ. ए.के झा जी थे, जो कोठार रामगढ़ से प्रकाशित हुई और तीसरी शांति भारत और दिनेश दिनमणि जी के संपादन में 1997 ई. में जो खोरठा साहित्य संस्कृति परिषद् बोकारो से प्रकाशित निरन्तर हो रही है। 'इंजोर' पत्रिका धनंजय प्रसाद के संपादन में मधुपूर से 1997 से लेकर अभी तक निरन्तर प्रकाशित हो रही है। 'लुआठी' बोकारो खोरठा कमिटी बोकारो की ओर से गिरधारी गोस्वामी 'आकाश खूंटी' जी के संपादन में 1999 ई. में प्रारम्भ होकर अभी तक निरन्तर होते आ रही है। इसके बाद 'सहिया' पत्रिका अनिल कुमार गोस्वामी जी के संपादन में बालीडीह से प्रकाशित हुई, 'सहिदान' देवघर सेल्गुनी मरिक कुशवाहा के संपादन में 2000 ई. को प्रकाशित की जा रही है। वहीं 'धरतीथान' गिरिडीह से शिवनंदन पाण्डेय 'गरीब' के संपादन में 2002 में, 'दुलरोउति बहिन' उड़ीसा से प्रकाशितं इसके बाद काफी लम्बे अंतराल के बाल पत्रिका 'फुनगी' श्याम सुन्दर केवट जी के संपादन में जनवरी 2023 में प्रकाशित होकर निरन्तर होते आ रही है। इसके बाद डिजिटल के दुनिया में 'खोरठा टाइम्स' आनंद कुमार दांगी के संपादन में और 'खोरठा दरपन' संदीप कुमार महतो जी के संपादन में 2023 से निरन्तर आ रही है। इसके साथ ही वैसे हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं जिसमें खोरठा की गीत, कविता, लेख, आलेख निरन्तर प्रकाशित होते आ रही है, परन्तु इन सबों में सबसे अधिक सक्रिय और निरन्तर प्रकाशित होने वाली तथा आर. एन. आई से पंजीकृत दूसरी पत्रिका 'लुआठी' पर जाती है।

'लुआठी' खोरठा साहित्य सांस्कृतिक विशेषांक जो त्रैमासिक पत्रिका 20 पेज तक की प्रकाशित होती है जिसमें साहित्य की हरेक विधा में प्रकाशित होती है। इसके साथ ही खोरठा साहित्यिक सांस्कृतिक गतिविधियों को विशेष कर प्रकाशित होते आ रही है।

प्रेरणाः-

खोरठा भाषा साहित्य के छात्र होने के कारण सदा ही, खोरठा भाषा की लुआठी का अध्ययन करता रहा हूँ। इस क्रम में ऐसी प्रेरणा मिली कि खोरठा भाषा साहित्य के विकास में लुआठी की महत्वपूर्ण भूमिका को और भी वृहत ढंग से शोध करने की आवश्यकता है। इस प्रेरणा भाव से प्ररित होकर खोरठा भाषा के नए-पुराने पत्र-पत्रिकाओं की खोज कर गहन अध्ययन किया तो हमें ज्ञात हुआ कि निश्चित रूप से खोरठा भाषा साहित्य के वर्तमान स्वरूप एवं विकसित साहित्य भण्डार में इस भाषा की पत्र-पत्रिकाएँ में से लुआठी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

उपर्युक्त तथ्यों के आलोक में मुझे प्रेरणा मिली की मैं खोरठा भाषा साहित्य के विकास में लुआठी की भूमिका विषय पर शोध कर विस्तृत शोध प्रबंध प्रस्तुत करूँ। इस प्रकार खोरठा भाषा की लुआठी के महत्वपूर्ण योगदान संबंधी शोध का प्रेरणा स्रोत, हमारे उपर्युक्त अध्ययन के विषय क्षेत्र रहे हैं।

परिकल्पनाः-

खोरठा भाषा साहित्य के विकास में लुआठी के योगदान संबंधी शोध से प्रेरित होने के पश्चात् मेरे मन में शोध की परिकल्पना का आकार लेने लगी। मेरी इस परिकल्पना को व्यवहारिक स्वरूप प्रदान करने में मेरे गुरूजनो ने महत्वपूर्ण योगदान एवं आशीर्वाद प्रदान किया विशेषकर डॉ. कुमारी शशि, डॉ. बी. एन. ओहदार, डॉ. अर्चना कुमारी, डॉ. निरंजन कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर, डॉ. नकुल कुमार, पंचम महतो, चितरंजन महतो चित्रा, गिरीधारी गोस्वामी आदि ने मुझे इस विशेष पर शोध अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित एवं यथोचित मार्गदर्शन किया जिससे मेरी परिकल्पना को शोध करने की दिशा में आकार प्राप्त हो गया।

शोध का उद्देश्यः-

किसी शोध कार्य प्रांरभ करने के पूर्व शोध से संबंधित उद्देश्य निर्धारित की जाती है, इस शोध प्रबंध का निम्नांकित उद्देश्य हैः-

- **खोरठा भाषा साहित्य का सामान्य एवं इसके विकास में लुआठी के योगदान का विशेष अध्ययन।**
- **खोरठा भाषा साहित्य के विकास में लुआठी की भूमिका की पृष्ठभूमि।**

- लुआठी से प्राप्त संदर्भ सामग्री एवं सूचनाओं का संकलन, संग्रहण एवं विश्लेषण।
- खोरठा साहित्य के विकास में लुआठी के माध्यम से खोरठा भाषा के विकास पर प्रकाश डालना।
- लुआठी के माध्यम से खोरठा भाषा एवं शैक्षणिक विकास में इनके योगदानों को दर्शाना।
- खोरठा भाषा साहित्य के बदलते लुआठी के योगदान की विवेचना।

शोध का महत्वः-

खोरठा भाषा साहित्य के विकास में लुआठी के योगदान विषयक शोध का महत्व कई दृष्टि से अत्याधिक है जिनमें प्रमुख निम्नलिखित हैंः-

- इस शोध प्रबंध से खोरठा भाषा साहित्य की प्रारम्भिक पृष्टभूमि का प्रकाशन होगा।
- इससे खोरठा भाषा के क्षेत्र को भी जानने में मदद मिलेगी।
- इस शोध प्रबंध से खोरठा भाषा साहित्य के आदर्शो का प्रकाशन होगा।
- खोरठा भाषा साहित्य एवं खोरठा क्षेत्र की संस्कृति की महत्त्ता के प्रति लोगों का ज्ञान बढेगा एवं एक नयी जागृति उत्पन्न होगी।
- इस प्रबंध के माध्यम से समस्त खोरठा भाषा भाषियों एवं समाज के कवियों, साहित्यकारों एवं कलाकारों की कृतियों संबंधि तथ्यों की प्रस्तुति होगी।
- यह शोध साहित्यिक, सामाजिक, राजनैतिक एवं अर्थिक क्षेत्र के लिए भी प्रेरणादायी एवं लाभकारी सिद्ध होगा।

शोध विधिः-

प्रस्तावित शोध प्रबंध को पूर्ण करने हेतु निम्नांकित शोध विधियों का अनुसरण किया जाएगाः-

- साक्षात्कार विधि
- विश्लेषणात्मक विधि
- अवलोकन विधि
- व्यक्तिक अध्ययन

उपकरण:-

सामग्री संकलन के लिए उपयोग में आने वाले विभिन्न उपकरण-

- **कैमरा, कम्प्यूटर, लैपटॉप, मोबाईल।**
- **टंकण मशीन, रेडियो, समाचार पत्र।**
- **टेप रिकार्डर**
- **पेन ड्राइव, इंटरनेट का प्रयोग आदि।**

पीएच.डी. शोध-प्रबंध की प्रस्तावित रूपरेखा

खोरठा भाषा-साहित्य के विकास में लुआठी पत्रिका का योगदान: एक अध्ययन

भूमिका

1. **शोध की प्रेरणा और औचित्य**
2. **शोध का क्षेत्र**
3. **शोध विधि**
4. **शोध से संबंधित लिखित साहित्य का परिचय**

प्रथम अध्याय: पत्रिका का सामान्य परिचय एवं खोरठा पत्र-पत्रिकाओं का इतिहास

1. (क) **पत्रिका का अर्थ एवं परिभाषा**
   (ख) **पत्रिका के रूप**
   (ग) **पत्रिका का महत्व**
   2. (क) **खोरठा में पत्र-पत्रिका प्रकाशन की परंपरा**
      (ख) **लुआठी के पूर्ववर्ती खोरठा पत्र-पत्रिकाएँ**
      (ग) **लुआठी के समकालीन पत्र-पत्रिकाएँ**

द्वितीय अध्याय: 'लुआठी' पत्रिका का परिचय

(क) **लुआठी की पृष्ठभूमि और अवधारणा**
(ख) **नामकरण और उसकी अवधारणा**
(ग) **प्रकाशक**
(घ) **संपादक, संपादक मंडल का परिचय**

तृतीय अध्याय: खोरठा लोक साहित्य के विकास में लुआठी पत्रिका का योगदान

(क) **लोक साहित्य का परिचय**
(ख) **लुआठी पत्रिका में प्रकाशित लोकगीत**
(ग) **लुआठी पत्रिका में प्रकाशित लोककथा**
(घ) **लुआठी पत्रिका में प्रकाशित प्रकीर्ण साहित्य**

चतुर्थ अध्याय: खोरठा गद्‌य साहित्य के विकास में लुआठी पत्रिका का योगदान

(क) लुआठी में प्रकाशित कहानी एवं कहानीकार

(ख) खोरठा कहानी साहित्य के विकास में लुआठी की भूमिका

(ग) लुआठी पत्रिका में प्रकाशित प्रमुख कहानियों की विवेचना

पंचम अध्याय: लुआठी पत्रिका में प्रकाशित पद्‌य साहित्य

1. **कविताएँ**
2. **अन्य विद्‌याएँ**

(क) निबंध/लेख

(ख) नाटक

(ग) संस्मरण एवं यात्रा वृतांत

(घ) आत्मकथा

(ङ) रिपोतार्ज

षष्ट अध्याय: लुआठी पत्रिका के विभिन्न स्तंभ

(क) संपादकीय आलेख

(ख) पुस्तक समीक्षा

(ग) साहित्यिक गति-विधि रिपोर्ट

(घ) पाठक-पत्र

सप्तम अध्याय: लुआठी पत्रिका के विशेषांक

(क) श्रीनिवास पानुरी विशेषांक

(ख) डॉ॰ ए॰ के॰ झा॰ स्मृति विशेषांक

(ग) विश्वनाथ दसौंधी राज विशेषांक

(घ) शिवनाथ प्रमाणिक विशेषांक

अष्टम अध्याय: खोरठा साहित्य में लुआठी का स्थान एवं विविध आयोजन

(क) खोरठा पत्र-पत्रिकाओं में लुआठी का स्थान

(ख) विविध आयोजन, गोष्ठी, कार्यशाला, सम्मान समारोह, सेमिनार आदि।

उपसंहार: शोध-निष्कर्ष

परिशिष्ट

- **आधार ग्रंथ सूची**
- **संदर्भ ग्रंथ सूची**
- **पत्र-पत्रिकाओं की सूची**
- **साक्षात्कार सूची**
- **चित्रावाली**

नोट: आवश्यक होने पर शोध प्रारूप में आंशिक परिवर्तन किये जा सकते हैं।

शोध निर्देशक

डॉ0 कुमारी शशि
विभागाध्यक्ष
स्नातकोत्तर खोरठा विभाग
राँची विश्वविद्यालय, राँची।
मो. नं.: 8789115824
E-Mail : kumarishashi1602@gmail.com

शोधकर्त्ता

चंदन कुमार
केवल पीएच.डी में प्रवेश योग्य
स्नातकोत्तर खोरठा विभाग
राँची विश्वविद्यालय, राँची।
मो. नं.: 8825155985
E-Mail : chandan07scc@gmail.com

आधार ग्रंथों की सूची

1. **षाड़ंगी**, **डॉ. संजय कुमार**, **नागपुरी साहित्य के विकास में पत्र-पत्रिकाओं का योगदान** 2010, **झारखण्ड झरोखा**, **राँची** 2017
2. **तिवारी**, **डॉ. अर्जुन**, **आधुनिक पत्रकारिता**, 2010
3. **तिवारी**, **डॉ. अर्जुन**, **जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता**, 2010
4. **दयाल**, **डॉ. राकेश**, **पत्रकारिता एवं जनसंचार**
5. **मिश्र**, **कृष्णा बिहारी**, **हिन्दी पत्रकारिता**

संदर्भ ग्रंथों की सूची

1. **आकाश खूँटी**, **गिरिधारी**, **गोस्वामी**, **लुआठी**, **बालीडीह खोरठा कमिटी**, **बोकारो**, 1999

2. **ओहदार**, **डॉ. बी.एन.**, **खोरठा भाषा एवं साहित्य** (**उदभव एवं विकास**) **खोरठा भाषा साहित्य अकादमी**, **रामगढ़**, 2007

3. **कुमारी**, **डॉ. शशि**, **जिनगीक डहर कविता संग्रह**, **ब्राइट एम.पी. पब्लिशर**, 2022

4. **कुमार**, **दिनेश**, **खांटी खोरठा**, **शिवागंन प्रकाशन**, **राँची**, 2022

5. **कुमार**, **डॉ. बिनोद**, **खोरठा लोकगीतों का सांस्कृतिक अध्ययन**, **पृथ्वी प्रकाशन**, 2018

6. **कुमारी**, **डॉ. अर्चना**, **खोरठा शिष्ट साहित्य: एक अध्ययन**, **प्यारा**, **केरकेट्टा** ,**फाउण्डेशन**, 2015

7. **झा**, **डॉ. ए. के.**, **खोरठा भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन**, **झारखंड झरोखा**, **रातु रोड़ राँची**, 2012

8. **झा**, **डॉ. ए.के. खोरठा काठे गइदेक खंड़ी**, **खोरठा कमिटी कोठार**, **रामगढ**, 1983

9. **तिवारी**, **रामकुमार**, **झारखंड़ की रुपरेखा**, **बिहार हिन्दी अकादमी**, 2019

10. **गोस्वामी**, **गिरिधारी**, **लुआठी पत्रिका**, **बोकारो**, 2004

11. **प्रभाकर**, **डॉ. गजाधर महतो**, **खोरठा भाषा और साहित्य**, **सफल प्रकाशन**, 2018

12. **प्रमाणिक**, **शिवनाथ**, **खोरठा लोक साहित्य**, **खोरठा साहित्य-संस्कृति परिषद्**, **बोकारो** 2004

13. **प्रभाकर**, **डॉ. गजाधर महतो**, **खोरठा भाषा व्याकरण**, **सफल प्रकाशन**, **राँची**, 2017

14. **प्रमाणिक**, **शिवनाथ खोरठा लोक साहित्य**, **खोरठा साहित्य संस्कृति परिषद् बोकारो**, 2004

15. **प्रमाणिक**, **शिवनाथ**, **खोरठा काव्य का स्वरुप प्रकाशक- खोरठा साहित्य संस्कृति परिषद्**, **बोकारो**, 2019

16. **बंशी**, **लाल** '**बंशी**', **खोरठा दर्पण**, **खोरठा साहित्य संस्कृति परिषद बोकारो**, 1998

17. **साहु**, **डॉ. चतुर्भूज**, **दू डाइर जिरहुलुूल**, **खोरठा साहित्य संस्कृति परिषद**, **रामगढ़**, 2015

खेरठा पत्र-पत्रिकाओं की सूची

क्र.सं.	पत्रिका	संपादक	स्थान	वर्ष
1	तितकी	श्रीनिवास पानुरी	धनबाद	1951
2	मातृभाषा	श्रीनिवास पानुरी	धनबाद	1957
3	खोरठा पखवारी	श्रीनिवासपानुरी	धनबाद	1970
4	तितकी मासिक	विश्वनाथ दसौंधिश राज	बोकारो	1977
5	तितकी त्रिमासिक	डॉ. ए.के. झा.	रामगढ़	1983
6	इंजोर	धनंजय प्रसाद	मधुपर, देवघर	1997
7	लुआठी	गिरिधारी गोस्वामी	आकाशखुंटी बोकारो	1999
8	तितकी वार्षिक	दिनेश दिनमणि, शांति भारत	बोकारो	2000
9	धरतीदान	श्री शिवनन्दन पाण्डेय गरीब	गिरिडीह	2002
10	करील	डॉ. बी.एन. ओहदार	राँची, ओरमांझी	2009
11	परासफूल	महेन्द्र प्रबुद्ध	धनबाद	2010